



न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

प्र.क. / 2016 निगरानी

मा. - 1373 - I/16

श्री १०८ के लाउ - ४५  
द्वारा आज दि. २८/१६ को  
प्रस्तुत

वक्तव्य ऑफ कोर्ट ५/१६  
राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर

बलवीर सिंह यादव पुत्र श्री दंगल सिंह यादव  
आयु— 48 वर्ष, व्यवसाय पंचायत सचिव,  
निवासी ग्राम पाकरोड, पोस्ट सारसखेड़ी,  
तहसील ईशागढ ब्लॉक ईशागढ, जिला  
अशोकनगर(म.प्र.) ..... आवेदक

बनाम

- 1— मध्य प्रदेश शासन — द्वारा अपर आयुक्त ग्वालियर संभाग ग्वालियर (म.प्र.)
- 2— मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अशोकनगर (म.प्र.) ..... अनावेदकगण
- 3— चद्भासिण पुत्र छरतम लिह तिकाली—  
पाकरोड, तह ईशागढ जिला अशोकनगर

म.प्र. पंचायत राज एंव ग्राम स्वराज अधिनियम—1993 सहपठित नियम—१६ उ३६(५)

एंव अपील एंव रिवीजन रूल्स —1999

माननीय,

आवेदक का निगरानी आवेदन—पत्र निम्न लिखित प्रस्तुत है:-

प्रकरण के तथ्य:-

संक्षेप में इस प्रकार है कि, आवेदक के खिलाफ संतराम पुत्र लालाराम यादव द्वारा इस आशय की शिकायत की गयी थी कि ग्राम पंचायत पाकरोड में फर्जी मूल्यांकन कर लाखों रुपये का धपला किया गया है जिस पर से जांच प्रतिवेदन दिनांक 28.7.2015 एंव पूरक प्रतिवेदन दिनांक 23.1.2016 तथा संगठन के परीक्षण टीप अनुसार आवेदक बलवीर सिंह यादव तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत पाकरोड (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत बायंग) जनपद पंचायत ईसागढ को वर्ष 2010–11 एंव 2011–12 में ग्राम पंचायत पाकरोड में सचिव के पद पर पदस्थी के दौरान विभिन्न पुलियों के निर्माण, प्राथमिक विधालय पिपरिया में अतिरिक्त कक्ष के निर्माण, प्राथमिक विधालय पाकरोड में हेडमास्टर रूम निर्माण कार्य, खदरी का रपटा निर्माण वर्ष 2011–12 में विधालयों में शौचालय निर्माण, ग्राम पंचायत में पौधा कर्य, इन्दिरा आवास एंव अन्य हितग्राही मुलक योजनाओं में की गई अनिमित्तताओं तथा भ्रष्टाचार में दोषी पाये जानेके कारण आवेदक बलवीर सिंह यादव को म.प्र. पंचायतराज एंव ग्राम स्वराज नियम 1993 के सहपठित नियम म.प्र. पंचायत सेवा (अनुशासन तथा अपील) नियम 1999 के प्रावधानों के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अशोकनगर द्वारा प्र.क. कमांक/जि.प./पं.प्रको.—रटेनो/16/303 में पारित आदेश नियम 10.1.2016 से आवेदक बन्तीर मिंह गादर को तत्काल प्रभाव से निलंबित

UK Sah  
25/6

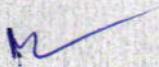
राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

आदेश पृष्ठ

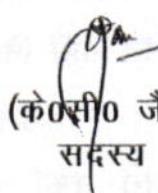
मांग - अ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 1373-एक / 2016

जिला अशोकनगर

| स्थान तथा दिनांक | कार्यवाही अथवा आदेश  | पक्षकर्ता एवं<br>अभिभाषकों आदि<br>के हस्ताक्षर                                      |
|------------------|--|---|
| ०६-९-२०१६        | <p>आवेदक अभिभाषक एवं अनावेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों के संदर्भ में प्रकरण का अवलोकन किया।</p> <p>2/ यह निगरानी म0प्र0 पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 सहपठित नियम 36(4) एवं अपील तथा रिवीजन लॉस 1999 के अन्तर्गत अपर आयुक्त ग्वालियर संभाग ग्वालियर के प्रकरण क्रमांक 247 / 2015-16 अपील में पारित आदेश दिनांक 18-4-2016 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है, जिसके द्वारा अपर आयुक्त ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत अपील में स्थगन एवं ग्राहयता पर प्रस्तुत तर्कों के परिप्रेक्ष्य में अंतरिम आदेश दिनांक 18-4-16 में प्रकरण ग्राह्य किया जाकर प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालय से उत्तर साहित अभिलेख मंगाने के आदेश दिये हैं परन्तु आवेदक के स्थगन आवेदन पर किसी प्रकार का कोई निष्कर्ष अथवा निर्णय पारित नहीं किया है।</p> <p>3/ उभय पक्ष के विद्वान अभिभाषकों द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया। अपर आयुक्त को उनके समक्ष सुनवाई में उठाये सभी बिन्दुओं अथवा आवेदन पत्रों का निर्णय पारित करना चाहिए, जो अपर आयुक्त द्वारा नहीं किया गया है। अपर आयुक्त द्वारा प्रकरण के ग्राह्यता पर आदेश पारित किया परन्तु इसके द्वारा आवेदक की ओर से स्थगन के संबंध में प्रस्तुत आवेदन एवं शपथ पत्र के संबंध</p> |  |

में किसी प्रकार का कोई निर्णय पारित नहीं किया है। चूंकि आवेदक द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अशोकनगर के आदेश दिनांक 12—4—2016 के विरुद्ध अपर आयुक्त के समक्ष अपील प्रस्तुत की है जिसमें प्रकरण सुनवाई हेतु ग्राह्य किया जा चुका है। अतः इस निगरानी को संचालित रखने का कोई औचित्य प्रतीत नहीं होता है। जहां तक आवेदक अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत स्थगन आवेदन का प्रश्न है मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अशोकनगर के आदेश दिनांक 12—4—2016 के आदेश का क्रियान्यवयन आगामी तीन माह तक के लिए स्थगित किया जाता है। चूंकि अधीनस्थ न्यायालय अपर आयुक्त के समक्ष अपील ग्राह्य की जा चुकी है अतः प्रकरण में यथाशीघ्र सुनवाई की जाकर निराकरण हेतु अपर आयुक्त की ओर भेजा जाता है। इस प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष नहीं होने से यह प्रकरण इसी निर्देश के साथ समाप्त किया जाता है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।



(के०सी० जैन)  
सदस्य

